SKU JOURNAL OF LEX VIBRENT
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
Impact Factor – SJIF 2025 = 5.071
January – March 2026
E-ISSN 3048-7323
Vol-3
Issue-1

महिलाएँ और शिक्षा: ज्ञान एवं कौशल विकास के माध्यम से सशक्तिकरण

श्रीमती रीना शर्मा
सहायक प्राध्यापक
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

सारांश

शिक्षा किसी भी समाज के विकास का आधार होती है। जब महिलाओं को शिक्षा और कौशल विकास के अवसर मिलते हैं, तब वे न केवल स्वयं सशक्त बनती हैं बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिला शिक्षा सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक विकास और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का प्रमुख माध्यम है। इस शोध पत्र का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा और कौशल विकास की भूमिका का अध्ययन करना है। शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाती है, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती है तथा उन्हें निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। इसके साथ-साथ कौशल विकास कार्यक्रम महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हैं।

भारत में सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कौशल विकास योजना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आदि महिलाओं की शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए चलायी जा रही हैं। फिर भी सामाजिक रूढ़ियाँ, आर्थिक असमानता और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएँ महिला शिक्षा के मार्ग में बाधा बनी हुई हैं। यह अध्ययन बताता है कि यदि महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए तो वे समाज के हर क्षेत्र में नेतृत्व कर सकती हैं और सतत विकास को संभव बना सकती हैं।

बीज शब्द

महिला शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, लैंगिक समानता, सामाजिक विकास, आत्मनिर्भरता।

SKU JOURNAL OF LEX VIBRENT
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
Impact Factor – SJIF 2025 = 5.071
January – March 2026
E-ISSN 3048-7323
Vol-3
Issue-1

1. प्रस्तावना

किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों की शिक्षा और ज्ञान स्तर पर निर्भर करती है। महिलाओं की शिक्षा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि महिलाएँ समाज की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। यदि समाज की आधी आबादी को शिक्षा से वंचित रखा जाता है, तो विकास की प्रक्रिया अधूरी रह जाती है।

इतिहास में महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा गया था, जिसके कारण सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में उनकी भागीदारी सीमित रही। परंतु आधुनिक समय में यह समझ विकसित हुई है कि महिला शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का साधन नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार है। महिला शिक्षा से अनेक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं जैसे - परिवार के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार, बच्चों की शिक्षा में वृद्धि, आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक जागरूकता, लैंगिक समानता की स्थापना आदि। आज के वैश्विक समाज में केवल औपचारिक शिक्षा ही नहीं बल्कि कौशल विकास भी अत्यंत आवश्यक हो गया है। डिजिटल तकनीक, उद्यमिता, तकनीकी प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान कर रही हैं। इस प्रकार शिक्षा और कौशल विकास महिलाओं को सशक्त बनाने के दो प्रमुख साधन हैं।

2. अध्ययन के उद्देश्य

इस शोध पत्र के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

1. महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका का अध्ययन करना।
2. महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक विकास में कौशल विकास के महत्व का विश्लेषण करना।
3. महिला शिक्षा से संबंधित प्रमुख चुनौतियों की पहचान करना।
4. महिलाओं के लिए शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

3. शोध विधि

इस अध्ययन में वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक शोध पद्धति का उपयोग किया गया है। शोध के लिए डेटा प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत के माध्यम से एकत्रित किया गया है। प्राथमिक स्रोत में महिला शिक्षा से संबंधित सर्वेक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अनुभव शामिल हैं। वहीं द्वितीयक स्रोत में शोध पत्र, पुस्तकें, सरकारी रिपोर्ट, शैक्षणिक जर्नल, इंटरनेट स्रोत आदि शामिल हैं।

4. महिला शिक्षा का महत्व

4.1 सामाजिक विकास में योगदान - महिला शिक्षा समाज में जागरूकता और सामाजिक सुधार को बढ़ावा देती है। शिक्षित महिलाएँ सामाजिक कुरीतियों जैसे– बाल विवाह, दहेज प्रथा एवं लैंगिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने में सक्षम होती हैं।

4.2 आर्थिक सशक्तिकरण - शिक्षा महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करती है। शिक्षित महिलाएँ नौकरी, व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। इसके साथ ही परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं। विश्व बैंक के अनुसार, यदि महिलाओं की शिक्षा का स्तर बढ़ता है तो किसी देश की अर्थव्यवस्था भी तेजी से विकसित होती है।

4.3 राजनीतिक भागीदारी - शिक्षित महिलाएँ राजनीति और प्रशासन में सक्रिय भागीदारी निभा सकती हैं। पंचायत और स्थानीय शासन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इसका उदाहरण है।

5. कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण

आज के समय में केवल शिक्षा पर्याप्त नहीं है। रोजगार के लिए व्यावहारिक कौशल भी आवश्यक हैं।

5.1 कौशल विकास का महत्व - कौशल विकास महिलाओं को रोजगार के अवसर, आत्मनिर्भरता, उद्यमिता विकास, आर्थिक स्वतंत्रता आदि लाभ प्रदान करता है

5.2 प्रमुख कौशल क्षेत्र - महिलाओं के लिए कौशल विकास के कई क्षेत्र हैं जैसे – कंप्यूटर और डिजिटल कौशल, हस्तशिल्प और कुटीर उद्योग, फैशन डिजाइनिंग, खाद्य प्रसंस्करण, उद्यमिता प्रशिक्षण आदि। इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करके महिलाएँ स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकती हैं।

6. महिला शिक्षा में चुनौतियाँ

हालाँकि महिला शिक्षा में काफी प्रगति हुई है, फिर भी कई चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं।

1. सामाजिक रूढ़ियाँ - कई समाजों में अभी भी यह धारणा है कि लड़कियों की शिक्षा आवश्यक नहीं है।
2. आर्थिक समस्याएँ - गरीब परिवारों में अक्सर लड़कियों की शिक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाती।
3. बाल विवाह - कम उम्र में विवाह होने के कारण कई लड़कियाँ अपनी शिक्षा पूरी नहीं कर पातीं।
4. शिक्षा की उपलब्धता - ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और प्रशिक्षण सुविधाओं की कमी भी एक बड़ी समस्या है।

7. महिला शिक्षा को बढ़ावा देने वाली सरकारी योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा महिला शिक्षा और कौशल विकास के लिए कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं जैसे— बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, महिला शक्ति केंद्र योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना आदि। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

8. महिला सशक्तिकरण के लिए सुझाव

महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं–

1. ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक स्कूल और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ।

2. महिलाओं के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजनाएँ चलाई जाएँ।
3. डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाए।
4. समाज में महिला शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाए।
5. महिलाओं को उद्यमिता और स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

9. निष्कर्ष

महिला शिक्षा और कौशल विकास किसी भी समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। शिक्षा महिलाओं को आत्मविश्वास, ज्ञान और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है, जबकि कौशल विकास उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है। यदि महिलाओं को समान अवसर प्रदान किए जाएँ, तो वे समाज के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इसलिए सरकार, समाज और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर महिला शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देना चाहिए। अंततः यह कहा जा सकता है कि महिलाओं की शिक्षा और कौशल विकास ही वास्तविक सशक्तिकरण का आधार है, जो एक समतामूलक और प्रगतिशील समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संदर्भ सूची

1. शर्मा, आर. (2018). महिला शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन. नई दिल्ली: प्रकाशन संस्थान।
2. सिंह, एस. (2019). Women Empowerment in India. New Delhi: Academic Press.
3. Government of India (2020). National Education Policy 2020.
4. UNESCO Report (2021). Education and Gender Equality.
5. World Bank (2022). Women, Education and Economic Development.
6. NITI Aayog Report on Women Empowerment, 2021.